सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।

-चाणक्य

हैलो सरकार

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

www.hellosarkar.com

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉग ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

फोन: 0141-2202717

मो: 9214203182

वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-23 | अंक-262 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, मंगलवार 27 मई , 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्य: 2.50

एनडीए मुख्यमंत्री परिषद की बैठक में सीएम भजनलाल ने ऑपरेशन सिंदूर पर रखा प्रस्ताव

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एनडीए मुख्यमंत्री परिषद की बैठक में ऑपरेशन सिंदूर पर प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसका अनुमोदन महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किया। इस प्रस्ताव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व क्षमता और भारतीय सेना के साहसिक कार्यों की चर्चा की गई है।

एनडीए के सभी दलों ने इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया। इसमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान में आतंकवाद के अड्डों को तबाह करने के साहसिक कार्य की प्रशंसा की गई है।

रोटी खाओ वरना मेरी गोली तो है ही

भुज से पीएम मोदी ने पाकिस्तान को दी चेतावनी

भुज/गुजरात। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने भुज में एक जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए पाकिस्तान पर जमकर निशाना साधा साथ ही आतंकवाद को लेकर भारत की नीति को एक बार फिर स्पष्ट किया। पीएम मोदी ने कहा भारत पर आंख उठाने वाले को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत पर्यटन में विश्वास करता है, यह एक ऐसी शक्ति है जो लोगों को एक साथ लाती है। लेकिन पाकिस्तान आतंकवाद को अपने पर्यटन के रूप मे देखता है, जो कि वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर

खतरा है।

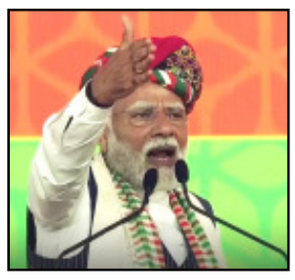

जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने पाकिस्तान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सुख-चैन से जियो, अपने हिस्से की रोटी खाओ, नहीं तो मेरी गोली तो है ही। पीएम ने कहा कि हमने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को खत्म कर दिया। आतंकवाद के खिलाफ हमारी नीति जीरो-टॉलरेंस की है।

इस दौरान पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। पीएम ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने हमारी नीति को स्पष्ट कर दिया है। जो भारतीयों का खून बहाने की कोशिश करेगा, उसको उसी की भाषा में जवाब दिया जाएगा।

पीएम मोदी ने कहा कि बिहार की राजधानी पटना से मैंने दुनिया के सामने यह घोषणा की कि भारत जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले का मुंहतोड़ जवाब देगा। मैंने इंतजार किया, उम्मीद थी कि पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करेगा। लेकिन, जब उन्होंने कुछ नहीं किया, तो मैंने अपने सशस्त्र बलों को पूरी आजादी दे दी।

उन्होंने कहा कि हमारे बहादुर सैनिकों ने आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमला किया, बिना किसी नागरिक क्षेत्र या निर्दोष लोगों को नुकसान पहुंचाए। यह ऑपरेशन हमारे बलों के बेजोड़ साहस और क्षमता का प्रमाण है कि हम यहीं से अपनी सीमाओं के भीतर से आतंकवादियों को खत्म कर सकते हैं।

कोविड से जयपुर में एक मरीज की मौत, 8 नए संक्रमित

जयपुर। देश में कोविड के बढ़ते मामलों के बीच जयपुर में एक करोना संक्रमित व्यक्ति की मौत हो गई। जयपुर निवासी 26 वर्षीय युवक अस्पताल में भर्ती था। टीबी सहित एक से अधिक बीमारियों के कारण उसका दो माह से उपचार चल रहा था। कोविड जांच के बाद 24 मई को वह संक्रमित पाया गया। इसके बाद 25 मई को उसकी मौत हो गई। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को उसकी मौत की पुष्टि की है। प्रदेश में 8 नए संक्रमितों की पुष्टि हुई है। जिनमें 4 जोधपुर, 3 जयपुर और एक उदयपुर का है। इन्हें मिलाकर अब प्रदेश में इस वर्ष कुल संक्रमितों की संख्या 25 हो गई है। इससे पहले रविवार को प्रदेश में 3 नए केस सामने आए थे। राहत की बात यह है कि कोरोना के नया वेरिएंट जानलेवा नहीं है। लोगों को जेएन.1 वेरिएंट से डरने की जरूरत नहीं है। यह वेरिएंट ओमिक्रॉन बीए 2.86 में हुए बदलाव के कारण उत्पन्न हुआ है। भारत में वर्तमान में प्रमुख कोविड-19 वेरिएंट के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि एहतियात के तौर पर अस्पतालों और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना और छींकते समय स्वच्छता का पालन करना और लक्षण दिखाई देने पर डॉक्टर से जांच करवाना भी जरूरी है।

जयपुर कमिश्नरेट में साइबर सपोर्ट सेंटर शुरू

ऑनलाइन ठगी के शिकार लोगों की होगी काउंसलिंग

जयपुर। प्रदेश में साइबर ठगी के बढ़ते जाल को लेकर जयपुर कमिश्नरेट की तरफ से नई पहल की गई है। कमिश्नरेट में आज से साइबर सपोर्ट सेंटर शुरू किया गया है, जिसमें साइबर ठगी के शिकार लोगों की काउंसिंग की जाएगी।

राजधानी जयपुर के पुलिस कमिश्नरेट में आज से साइबर सपोर्ट सेंटर शुरू किया गया है। इस सेंटर के जरिए राजस्थान में साइबर ठगी के शिकार लोगों की मदद की जाएगी और उनकी काउंसिंग की जाएगी ताकि वे भविष्य में इस तरह की ठगी का शिकार होने से बचें। अक्सर साइबर क्राइम का शिकार बच्चे, महिलाएं एवं बुजुर्ग अवसाद में भी चले जाते हैं। ऐसे में यह सेंटर इस तरह के पीड़ित लोगों की काउंसिलिंग करेगा, जिससे वे मानसिक अवसाद से बाहर निकल सकें। डीजीपी यूआर साहू व डीजी साइबर क्राइम हेमंत प्रियदर्शी ने इस सेंटर की शुरुआत की है। यह सेंटर मुंबई स्थित एनजीओ रेस्पांसिबल नेटिजन्स द्वारा संचालित किया जाएगा। कोगटा फाउंडेशन इसमें आर्थिक सहयोग करेगा। यह सेंटर ऑनलाइन ठगी के शिकार हुए लोगों को मुकाबला करने, साइबर अपराधों के पीड़ितों को तत्काल सहायता प्रदान करने और #CyberSafe Jaipur अभियान के अंतर्गत साइबर वेलनेस को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया है।

साइबर अपराध के सबसे ज्यादा शिकार बच्चे

जानकारी के अनुसार साइबर अपराध के सबसे ज्यादा शिकार बच्चे होते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार साइबर स्पेस का उपयोग करने वाले 3 में से 1 बच्चे को ऑनलाइन बुलिंग का सामना करना पड़ता है। करीब 70 प्रतिशत बच्चों को साइबर खतरों का हर स्टेज पर सामना करना पड़ रहा है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार

फाइनेंस से जुड़े साइबर अपराधों में 24.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। साइबर धोखाधड़ी के कारण 2024 में 2054 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। राजस्थान में हर रोज 3 हजार साइबर मामले दर्ज हो रहे हैं। इनमें से 45.25 प्रतिशत अपराध पैसों के लेन-देन, 30.16 प्रतिशत यूपीआई घोटाले से संबंधित हैं। वहीं लगभग 12 प्रतिशत अपराध सोशल मीडिया व 11 प्रतिशत यौन उत्पीड़न से संबंधित हैं। साइबर अपराध के शिकार लोगों ने बीते 3 साल में 1581 करोड़ रुपए गंवा दिए, वहीं समय पर पुलिस के हस्तक्षेप के कारण 676 करोड़ रुपए बैंकों से निकाले जाने बचा लिए गए।

काउंसलिंग टीम में ये होंगे शामिल

यह केंद्र रिस्पॉन्सिबल नेटिजन्सव के तहत संचालित होगा। इस टीम में परियोजना समन्वयक, वरिष्ठ परामर्शदाता और मनोवैज्ञानिक, कानूनी और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, प्रशिक्षित प्रशिक्षक और कार्यशाला संचालक एवं केस डॉक्यूमेंटेशन के लिए फ्रंट डेस्क अधिकारी शामिल होंगे।

इस सेंटर में साइबर ठगी के शिकार लोगों को ऑनलाइन उत्पीड़न, ट्रोलिंग और इंटरनेट की लत के मामलों के लिए परामर्श व मनोवैज्ञानिक सहायता दी जाएगी। इसके साथ ही तकनीकी और कानूनी सहायता के तहत अकाउंट रिकवरी, धोखाधड़ी रोकथाम, पुलिस रेफरल उपलब्ध कराई जाएगी। जागरूकता कार्यक्रम-छात्रों, कानून प्रवर्तन और वरिष्ठ नागरिकों के लिए ऑनलाइन सुरक्षा सत्र, जन जागरूकता अभियान-साइबर अपराधों की रोकथाम हेतु पहल। साइबर वेलनेस सहायता-तत्काल हस्तक्षेप और दीर्घकालीन

सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद भी नहीं रुके सुसाइड कोटा में फिर एक नीट स्टूडेंट ने की आत्महत्या

कोटा। कोटा में छात्रों की आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ रहे है। रात में फिर एक छात्रा के सुसाइड का मामला सामने आया है। नीट की तैयारी कर रही स्टूडेंट ने कमरे में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। लड़की फोन पर किसी रिश्तेदार से बात कर रही थी। फोन पर बात करते-करते उसने पंखे से फंदा लगा लिया। मामला महावीर नगर इलाके का है।

सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस को मौके पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस की ओर से सुसाइड केस की जांच जा रहीं है। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया है। परिजनों को सूचित कर दिया है। परिजनों के आने के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

पुलिस ने बताया कि छात्रा जीशान मूल रूप से जम्मू-कश्मीर निवासी है और वह 7 दिन पहले ही कोटा में आकर मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम नीट यूजी की तैयारी कर रही थी। उसने पिछले साल ऑनलाइन कोचिंग अपने घर से ही की थी। वह महावीर नगर थर्ड के एक हॉस्टल में 7 दिन पहले ही आकर रहने लग गई थी। रविवार शाम को वह एक जम्मू-कश्मीर के लड़के से बात कर रही थी। पुलिस ने स्टूडेंट के शव को मॉर्च्युरी में शिफ्ट करवाया है और परिजनों को सूचना दे दी है।

पुलिस ने बताया कि मौके पर जब पुलिस पहुंची तो गेट नहीं खुला। इसके बाद पास के एक मकान में काम चल रहा था तो लोगों ने वहां से कारपेंटर को बुलाया और कटर से गेट को काटा। जब सभी अंदर गए तो जीशान पंखे पर फंदे से लटकी हुई थी। लोगों ने उसे नीचे उतारकर हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हाल में सुप्रीम कोर्ट ने लगाई थी फटकार..

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कोटा में हो रही छात्रों की आत्महत्या को लेकर राज्य सरकार को फटकार लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि इस साल कोटा में हुई 14 आत्महत्या की घटना को लेकर सरकार क्या कदम उठा रही है। साथ ही यह भी कहा गया कि इस मामले को गंभीरता से लिया जाए और हल्के में न लें। कोर्ट ने मामले में 14 जुलाई को कोटा एसपी को तलब भी किया है।

वैश्विक पटल पर भारत आर्थिक रूप से हुआ सशक्त, विश्व में बढ़ी भारत की साख-मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारत आधिकारिक तौर पर जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। यह संभव हो पाया है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और बेहतर प्रबंधन के चलते। मोदी के नेतृत्व में देश समृद्ध हुआ, संपन्न हुआ और सुरक्षित हुआ है। 2014 से पहले जहां भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में 11वें पायदान पर थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के विजन के चलते देश तरक्की की राह पर चला और 11 से चौथे नंबर पर अर्थव्यवस्था आ गई। इतना ही नहीं, भारत के शीर्ष नेतृत्व के प्रबंधन के चलते शीघ्र ही तीसरे पायदान पर पहुंच जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेश कार्यालय में मीडिया से वार्ता करते हुए बताया कि इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ङ्कस्न के आंकड़ों के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था 4.187 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की हो गई। भारत ने जापान को पछाड़कर

यह पायदान हासिल किया है। अब अमेरिका, चीन और जर्मनी के बाद चौथी अर्थव्यवस्था भारत की है।

राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हर वर्ग, हर समुदाय और हर क्षेत्र के विकास के लिए कार्य योजनाएं तैयार की, फिर चाहे वो कृषि क्षेत्र हो, चिकित्सा क्षेत्र हो, शिक्षा क्षेत्र हो या फिर युवा, महिला, किसान और गरीब के कल्याण एवं उत्थान के कार्य हो। मोदी ने पिछले 11 सालों में देश के इन्फ्रास्ट्रेक्चर को बेहतर करने के साथ सेना को मजबूत किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज विश्व भी भारत का लोहा मान रहा है। पहले जहां हम अधिक आयात करने की स्थिति में थे, वहीं आज भारत अधिक से अधिक निर्यात करने की स्थिति में आ गया है। विश्व में भारत की साख अन्य देशों की तुलना में अधिक है। जबकि हमारे से उपर चीन की अर्थव्यवस्था है, लेकिन चीन की विश्वसनीयता, प्रतिष्ठा विश्व में नहीं है। ऐसे में हमारे शीर्ष नेतृत्व का आभार और धन्यवाद, जिसने भारत को आर्थिक रूप से सशक्त करने का काम किया।

चिकित्सा विभाग ने शुरू किया मनोरोग चिकित्सा संस्थानों का होगा पंजीकरण

जयपुर । प्रदेश में मनोरोग चिकित्सा संस्थानों के संचालन के लिए अब पंजीकरण अनिवार्य होगा। मानसिक स्वास्थ्य देखरेख अधिनियम-2017 के प्रावधानों के अनुसार गठित राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण के निर्देशों के अनुसार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने मानसिक स्वास्थ्य एस्टेब्लिसमेंट्स के अस्थायी पंजीकरण के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गयी है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशानुसार प्रदेश में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश में स्थापित होने वाले मनोरोग चिकित्सा संस्थानों के लिए पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। इससे मनोरोग चिकित्सा की दिशा में सकारात्मक बदलाव आएंगे। अपंजीकृत चिकित्सा संस्थानों को चिन्हित किया जा सकेगा एवं रोगियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं

मिल सकेंगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं अध्यक्ष राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि विभाग द्वारा मानसिक स्वास्थ्य एस्टेब्लिसमेंट्स के अस्थायी पंजीकरण के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी सिद्ध और होम्योपैथी सहित कोई भी संस्था जो मानसिक स्वास्थ्य के रोगियों को भर्ती सेवाएं प्रदान करती हैं, वे आवेदन कर सकते है।

विभागीय वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन-

मिशन निदेशक एनएचएम एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण डॉ. भारती दीक्षित ने बताया कि आवेदन के लिए यह आवश्यक है कि उक्त स्थान पर मानसिक रोगियों को भर्ती करने के साथ-साथ उनके रहने, देख-रेख, उपचार, स्वास्थ्य लाभ और पुर्नस्थापन की व्यवस्था हो। मानसिक स्वास्थ्य एस्टेब्लिसमेंट्स के अस्थायी पंजीकरण के लिए आवेदनकर्ता को विभागीय वेबसाइट

यह प्रक्रिया अपनानी होगी-

निदेशक जनस्वास्थ्य एवं सदस्य सचिव राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि आवेदन पत्र के ऑनलाइन फाइनल सबमिशन के बाद आवेदन की स्वयं सत्यापित हार्ड कॉपी मय मूल चालान एवं 100 रूपये के स्टाम्प पर शपथ पत्र कार्यालय तकनीकी सलाहकार एवं विभागाध्यक्ष, मनोचिकित्सा केन्द्र, सेठी कॉलोनी जयपुर पर भिजवाया जाना आवश्यक होगा।

राज्य नोडल अधिकारी राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम डॉ. एस.एम. स्वामी ने बताया कि राजस्थान राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण जयपुर राजस्थान को प्राप्त हुये सभी आवेदन पत्रों एवं दस्तावेजों को जांचने के बाद सही पाये जाने पर संबधित संस्थान को प्रोविजनल पंजीकरण पत्र जारी किया जायेगा।

राजस्थान की जेलों से अपराधियों की मनमानी, कानून-व्यवस्था भगवान भरोसे-गहलोत

राज्य की जेलों को भी अपराधियों के लिए सुरक्षित स्थल बना चुकी है। कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज अब राजस्थान में नहीं रह गई है।

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर एक बार फिर भाजपा सरकार को घेरते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान की जेलें अब अपराधियों के ऐशगाह बन गई हैं, जहां से मुख्यमंत्री तक को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। गहलोत ने कहा कि जेलों में मोबाइल फोन का मिलना, रेस्टोरेंट्स से विशेष खाना मंगवाने की खबरें और अब जयपुर में अस्पताल के नाम पर जेल से बाहर निकाले गए कैदियों का अपनी प्रेमिकाओं और पत्नियों के साथ होटलों में मिलना, पूरे पुलिस और जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यह स्थिति भाजपा सरकार की विफलता का प्रतीक है, जो राज्य की जेलों को भी अपराधियों के लिए सुरक्षित स्थल बना चुकी है। कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज अब राजस्थान में नहीं रह गई है।

आज हर जिले से अपराध की चौंकाने वाली घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन राज्य सरकार मौन है। ऐसा प्रतीत होता है जैसे राजस्थान को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया हो, गहलोत ने तीखा प्रहार करते हुए कहा।

उन्होंने पूछा कि जब जेलों से अपराधी खुलेआम धमकियां दे रहे हैं, होटल में मौज-मस्ती कर रहे हैं, तो आमजन कैसे सुरक्षित महसूस करेगा? गहलोत ने सरकार से मांग की कि इन घटनाओं की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि लोगों में कानून के प्रति भरोसा कायम रह सके। गहलोत ने चेताया कि अगर समय रहते सरकार नहीं जागी तो राजस्थान में अराजकता और बढ़ सकती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली स्थित राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली के पृथ्वीराज रोड़ स्थित राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। शर्मा ने अधिकारियों को कार्यों में और अधिक गति लाते हुए तय समय-सीमा में इन्हें पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए पुनर्निर्माण कार्य को पूरा किया जाए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। लोअर बेसमेंट में अंडर ग्राउंड वाटर टैंक एवं सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के सिविल कार्य पूर्ण होने के साथ ही हाउस के ऊपरी भाग के स्ट्रक्चर निर्माण का करीब 70 प्रतिशत कार्य

पूर्ण हो चुका है।

उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली स्थित राजस्थान हाउस का पुनर्निर्माण कार्य चल रहा है। इस कार्य में राजस्थान की कलात्मक स्थापत्य शैली का खूबसूरत तरीके से समन्वय किया जाएगा। भवन की बाहरी दीवार पर धौलपुर सैण्ड स्टोन का कार्य किया जाएगा। नवीन राजस्थान हाउस में दो बेसमेंट, भूतल और 6 फ्लोर का प्रावधान रखा गया है। भवन के बेसमेंट में पार्किंग तथा मुख्य भवन में लॉबी, कैफेटेरिया, वेटिंग एरिया, डाईनिंग एरिया, फव्वारा, हैंगिंग झूमर, एट्रियम आदि बनाए जाएंगे। वहीं प्रथम तल पर कॉन्फ्रेंस हॉल, पुस्तकालय व जिम तथा छत पर टैरेस गार्डन, पार्टी हॉल, योग कक्ष आदि की सुविधाएं मिलेंगी।

मुख्यमंत्री ने श्री बटुक भैरव मंदिर में किए दर्शन

इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जनपथ लेन स्थित देवस्थान विभाग द्वारा संचालित श्री बटुक भैरव मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति गंभीर चुनौती

बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? बहरहाल, इस हृदयविदारक एवं त्रासद घटना ने नयी बन रही समाज एवं परिवार व्यवस्था पर अनेक सवाल खड़े किये हैं। सवाल नये बन रहे समाज की नैतिकता एवं चरित्र से भी जुड़े हैं। निश्चित ही किसी परिवार की उम्मीदों का यूं कत्ल होना मर्मांतक एवं खौफनाक ही है। लेकिन सवाल ये है कि चौदह-पंद्रह साल के किशोरों पर यूं किन्हीं लड़कियों को छेड़ने के आरोप क्यों लग रहे हैं?

लेखक- ललित गर्ग

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। कैथल जनपद के गांव धनौरी में दो किशोरों की निर्मम एवं क्रूर हत्या की हृदयविदारक घटना न केवल उद्वेलित एवं भयभीत करने वाली है बल्कि चिन्ताजनक है। चौदह-पंद्रह साल के दो किशोरों की गला रेतकर हत्या कर देना और वह भी उनके हमउम्र साथियों द्वारा, हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली डरावनी एवं खौफनाक घटना है, जो किशोरों में पनप रहे हिंसक बर्ताव एवं हिंसक मानसिकता का घिनौना एवं घातक रूप है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। जाहिर है दसवीं-ग्यारहवीं के छात्रों की क्रूर हत्या हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता को भी दर्शाती है। ऐसी कई अन्य घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। जैसाकि घटना से संबंधित तथ्यों में बताया गया कि हत्या में शामिल युवक धनौरी गांव के ही थे और कुछ दिन पहले किशोरों को धमकाने उनके घर आए थे। मारे गए किशोरों पर हत्या आरोपियों ने आरोप लगाया था कि वे उनकी बहनों से छेड़खानी करते थे। निश्चय ही ऐसे छेड़खानी के कथित आरोप को नैतिक दृष्टि से अनुचित ही कहा जाएगा, लेकिन उसका बदला हत्या कदापि नहीं हो सकती। यह दुखद है कि एक मृतक किशोर अरमान पांच बहनों का अकेला भाई था। घटना से उपजी त्रासदी से अरमान के परिवार पर हुए वज्रपात को सहज महसूस किया जा सकता है। उनके लिये जीवनभर न भुलाया जा सकने वाला दुख एवं संत्रास पैदा हुआ है। बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है? पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर सिनेमा तक उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मनःस्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? बहरहाल, इस हृदयविदारक एवं त्रासद घटना ने नयी बन रही समाज एवं परिवार व्यवस्था पर अनेक सवाल खड़े किये हैं। सवाल नये बन रहे समाज की नैतिकता एवं चरित्र से भी जुड़े हैं। निश्चित ही किसी परिवार की उम्मीदों का यूं कत्ल होना मर्मांतक एवं खौफनाक ही है। लेकिन सवाल ये है कि चौदह-पंद्रह साल के किशोरों पर यूं किन्हीं लड़कियों को छेड़ने के आरोप क्यों लग रहे हैं? पढ़ने-लिखने की उम्र में ये सोच कहां से आ रही है? क्यों हमारे अभिभावक बच्चों को ऐसे संस्कार नहीं दे पा रहे हैं ताकि वे किसी की बेटी व बहन को यूं परेशान न करें? क्यों लड़कियों से छेड़छाड़ की अश्लील एवं कामुक घटनाएं बढ़ रही है। क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था में नैतिक शिक्षा का वह पक्ष उपेक्षित हो चला है, जो उन्हें ऐसा करने से रोकता है? क्या शिक्षक छात्रों को सदाचारी व नैतिक मूल्यों का जीवन जीने की प्रेरणा देने में विफल हो रहे हैं? हत्या की घटना हत्यारों की मानसिकता पर भी सवाल उठाती है कि उन्होंने क्यों सोच लिया कि छेड़खानी का बदला हिंसा एवं क्रूरता से गला काटना हो सकता है? धनौरी की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। दरअसल, दशकों तक बॉलीवुड की हिंदी फिल्मों ने समाज एवं विशेषतः किशोर पीढ़ी में जिस अपसंस्कृति का प्रसार किया, आज हमारा समाज उसकी त्रासदी झेल रहा है। इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है। अब तक हिन्दी सिनेमा से समाज के किशोरवय और युवाओं में गलत संदेश गया कि निजी जीवन में छेड़खानी ही प्रेम कहानी में तब्दील हो सकती है। हमारे टीवी धारावाहिकों की संवेदनहीनता ने गुमराह किया है। बॉक्स आफिस की सफलता और टीआरपी के खेल ने मनोरंजक कार्यक्रमों में ऐसी नकारात्मकता एवं हिंसक प्रवृत्ति भर दी कि किशोरों में हिंसक एवं अराजक सोच पैदा हुई। इंटरनेट के विस्तार और सोशल मीडिया के प्रसार से स्वच्छंद यौन व्यवहार का ऐसा अराजक एवं अनियंत्रित रूप सामने आया कि जिसने किशोरों व युवकों को पथभ्रष्ट एवं दिग्भ्रमित करना शुरू कर दिया। आज संकट ये है कि हर किशोर के हाथ में आया मोबाइल उसे समय से पहले वयस्क बना रहा है। जिस पर न परिवार का नियंत्रण है और न ही शिक्षकों का। 'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वच्छन्द हो जाते हैं। अर्थप्रधान दुनिया में माता-पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा।

आज किशोरों एवं युवाओं को प्रभावित करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व नये-नये एप पश्चिमी अपसंस्कृति से संचालित हैं। इन पर अश्लीलता और यौन-विकृतियों वाले कार्यक्रमों का बोलबाला है। ऐसे कार्यक्रमों की बाढ़ है जिनमें हमारे पारिवारिक व सामाजिक रिश्तों में स्वच्छंद यौन व्यवहार को हकीकत बनाने का खेल चल रहा है। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान-मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं एवं यौनाचार ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं, वे आत्मघाती-हिंसक बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं। ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार एवं हिंसक प्रवृत्तियों की तरफ उन्मुख हुए हैं। किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं। हमारे देश में भी शीर्ष अदालत ने समय-समय पर ऐसी घटनाओं पर तल्ख टिप्पणियां की हैं। क्या इन दर्दनाक घटनाओं से हमारे अभिभावकों, समाज-निर्माताओं एवं हमारे सत्ताधीशों की आंख खुलेगी? बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी सहम गयी है। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास एवं नयी समाज-व्यवस्था की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी की हत्या तक कर रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

संपादकीय

ईडी की विश्वसनीयता

यह कोई नई बात नहीं है कि देश की जांच एजेंसियों पर सरकार की आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य करने को लेकर विपक्षी राजनीतिक दलों की तरफ से पक्षपात के आरोप लगे हों। सरकारी जांच एजेंसियों को वे विपक्ष के नेताओं को डराने-धमकाने का हथियार बताते रहे हैं। अब इन्हीं चिंताओं और सवालों पर देश की शीर्ष अदालत ने भी मोहर लगाई है। विपक्षी नेता खासकर धनशोधन निरोधक अधिनियम के तहत की जा रही कार्रवाइयों पर रोक लगाने की गुहार लगाते रहे हैं। उनका आरोप रहा है कि प्रवर्तन निदेशालय सरकार के हितों की पूर्ति के लिये दुराग्रह से कार्रवाई करता है। हालांकि, अदालत का मानना रहा है कि भ्रष्टाचार,देशविरोधी गतिविधियों तथा आतंकवादी संगठनों को मदद पहुंचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई अतार्किक नहीं है। सवाल इस बात को लेकर भी उठते रहे हैं जितने आरोप पत्र ईडी द्वारा दायर किए जाते हैं, उसकी तुलना में दोषसिद्धि की संख्या में बेहद ज्यादा अंतर क्यों है। जो इस बात की ओर इशारा करता है कि मामले दुराग्रह से प्रेरित होते हैं। अदालत भी मानती है कि ठोस प्रमाण के बिना किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। लेकिन एक हालिया मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कारगुजारियों पर कोर्ट ने उसे कड़ी फटकार लगाते हुए सीमाएं लांघकर संघीय ढांचे के अतिक्रमण करने की बात कही है। कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु में शराब की दुकानों के लाइसेंस देने में बरती गई कथित धांधली में राज्य विपणन निगम के विरुद्ध धनशोधन मामले में ईडी की जांच पर की है। दरअसल, निगम द्वारा शीर्ष अदालत में मामला ले जाए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने न केवल जांच रोकी बल्कि ईडी की कारगुजारियों पर सख्त टिप्पणियां भी की हैं। निस्संदेह, ईडी को इस सुप्रीम नसीहत पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। कोर्ट को यहां तक कहना पड़ा कि प्रवर्तन निदेशालय संघीय अवधारणा का उल्लंघन कर रहा है। उल्लेखनीय है कि पीएमएलए की धाराओं के दुरुपयोग को लेकर शीर्ष अदालत पहले भी ईडी के खिलाफ सख्त टिप्पणी कर चुकी है। निस्संदेह, अदालत की इस सख्त टिप्पणी से उन तमाम विपक्षी दलों को संबल मिलेगा जो आए दिन ईडी व अन्य जांच एजेंसियों का सत्तापक्ष द्वारा दुरुपयोग करने का आरोप लगाते थे। वहीं दूसरी ओर तमिलनाडु राज्य विपणन निगम की दलील थी कि जिन शराब की दुकानों के लाइसेंस देने में अनियमितताओं के मामले में ईडी ने हस्तक्षेप किया है, उसमें वर्ष 2014 से कार्रवाई की जा रही है। साथ ही इस मामले में चालीस से अधिक प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं। वहीं निगम कई मामलों में शिकायतकर्ता है। ऐसे में इस मामले में ईडी के कूदने पर सवाल उठे हैं। यही वजह है कि कोर्ट ने ईडी की इस जांच पर रोक लगा दी है। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु सरकार भी ईडी की कार्रवाई को संवैधानिक अधिकारों व संघीय ढांचे का उल्लंघन बताती रही है। विश्वास किया जाना चाहिए कि कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद ईडी केंद्र की इच्छाओं के अनुरूप आंख बंद कर कार्रवाई करने की बजाय अपनी कार्यशैली में अपेक्षित परिवर्तन करेगी।

समय से कभी विलम्ब ना चले

(लेखक- संजय गोस्वामी)

हमेशा समय के साथ चले,समय से कभी विलम्ब ना चले ऐ सवाल का जबाब रामायण में किस्किंधा कांड में पढ़ने को मिलता है जब माता सीता की खोज में सुग्रीव को चेताया था लोगों से सुनने को मिलता है कि भगवान श्री राम ने वालि को धोखे से मारा ऐ गलत है प्रभु ने वालि को मोक्ष दिया धोखा से नहीं मारा था भगवान श्री राम के पिता राजा दशरथ , बड़ी मुश्किल कैकई के वचन को पूर्ण करने के लिए भगवान राम को 14वर्ष के वनवास के लिए आदेश दे पाए होंगे। राजा, उनकी आँखें आँसुओं से भरी हुई थीं, उनका गला भावनाओं से भर गया था, वे केवल ये शब्द बोल पाए- राम और कुछ नहीं वास्तव में, राम ने बिना किसी सवाल के आदेश स्वीकार कर लिया। मैं पिता की आज्ञा का पालन करने में प्रसन्न हूँ, उन्होंने कैकेई से कहा- क्यों, अगर आप आदेश दें तो भी मैं जाऊँगा। इस प्रकार, बिना किसी विरोध के, राम दयालुता और सद्भावना के एक बड़े इशारे में अपने 14 साल के वनवास की यात्रा पर निकल पड़ते हैं।वह कैकेई से वास्तव में अनुरोध करते हैं कि वह राई का पहाड़ न बनाए। उन्होंने उसे सांत्वना भी दी और अनुरोध किया कि उसे इतनी छोटी सी बात पर बिल्कुल भी चिंता नहीं करनी चाहिए। राम को, 14 साल जंगल में बिताना बहुत छोटी सी बात लगती थी। राम के सबसे वफादार छोटे भाई लक्ष्मण ने अब राम के साथ मिलकर राम के साथ किए गए अनुचित व्यवहार का शाही जवाब देने का फैसला किया। राम ने लक्ष्मण को समझाने की पूरी कोशिश की कि उन्हें परिवार की देखभाल करने के लिए वापस लौटना चाहिए और राज्य पर शासन करने में भरत की मदद भी करनी चाहिए। हालाँकि, लक्ष्मण ने उनकी बात नहीं मानी। हालाँकि लक्ष्मण राम के भाग्य या नियति के दर्शन से सहमत नहीं थे, लेकिन वे अपने बड़े भाई के बिना भी नहीं रह सकते थे। इस तरह यह बात सामने आई कि राम के पास अपने छोटे भाई को वनवास में अपने साथ ले जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। राम के लिए मामले को और भी बदतर बनाने के लिए, उनकी युवा पत्नी सीता ने भी राम के साथ जाने का फैसला किया। सीता को समझाने के राम के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद कि उनके लिए जंगल में रहना बहुत कठिन होगा, सीता ने जोर देकर कहा कि वह अपने पति के साथ जाएँ। जैसे पदार्थ के लिए छाया होती है, वैसे ही पति के लिए पत्नी होती है, उसने राम को याद दिलाया क्या पत्नी का धर्म अपने पति के साथ रहना नहीं है? मुझे तुम्हारे आगे चलने दो ताकि मैं तुम्हारे पैरों के लिए रास्ता सुगम बना सकूँ। इस प्रकार राम को सीता को अपने साथ वन में ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। फिर राम, सीता, लक्ष्मण राजा के चरणों में झुके, और दुखी होकर चले गए उस समय राम के लिपकारी होने के नाते, राम ने शाही जीवन, अपने राज्य के सिंहासन का त्याग कर दिया, वनवास जाने का फैसला किया।राम ने जंगल में रहने वाले चौदह हज़ार राक्षसों का वध किया । यह देखते हुए, सीता ने राम को उनकी हिंसा के खिलाफ़ चेतावनी दी थी जब वे राक्षसों का विनाश करके ऋषियों (या संतों) की मदद करने के लिए सहमत हुए । दुर्घटनाएँ तब भी होती हैं जब कोई उनसे बचने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता है। आइए हम इसे राम के दृष्टिकोण से देखें। राम, एक पूर्णतावादी होने के नाते, अपनी पत्नी की छोटी-छोटी इच्छाओं को पूरा करके एक आदर्श पति बनने की पूरी कोशिश की - खासकर ऐसी वफादार पत्नी की जो महल-जीवन के सभी सुखों का त्याग करके 14 साल तक जंगल में रहने के लिए उनके साथ चली गई थी। इसके अलावा, भाई लक्ष्मण के उनकी छोटी सी झोपड़ी में रहने के कारण, राम अच्छी तरह से जानते थे कि सीता सुरक्षित हाथों में है। फिर भी, रावण ने अपने धूर्तता का इस्तेमाल करके राम और लक्ष्मण को मायावी शक्ति का प्रयोग कर माया के वजह से सीता का अपहरण कर लिया है और राम बहुत दुखी हुए लक्ष्मण अब राम को सांत्वना देते हैं- दुर्भाग्य आते हैं और ज्वाला की तरह इसमें हिम्मत से काम लेना चाहिए,लक्ष्मण की सलाह के बावजूद, राम अभी भी दुखी हैं। सुग्रीव के साथ द्विपक्षीय समझौता और बाली का पतन सीता के नुकसान को सहन करने में असमर्थ, राम और लक्ष्मण ने सीता की खोज में एक लंबी यात्रा शुरू की। वे जंगल में घूमे और सीता या उसके अपहरणकर्ता द्वारा रास्ते में छोड़े गए किसी भी संकेत की तलाश की। यह वास्तव में एक चतुर सोच थी सीता का वह हिस्सा जिसने रावण के भागने के दौरान अपना हार, कंगन और अंगूठी धरती पर गिरा दी थी। पहाड़ी पर चढ़ने-उतरने, नदियों और मैदानों को पार करने के बाद, उन्हें सीता के छोटे-छोटे शरीर के आभूषण मिले। बड़े उत्साह के साथ, राम अब अपने भाई से कहते हैं- हे लक्ष्मण, यहाँ, वह चिल्लाया, देखो मेरी सीता के सोने के झुमके गिर गए हैं। यहाँ उसकी फटी हुई और फटी हुई मालाएँ हैं, यहाँ हर चमकता हुआ आभूषण पड़ा है। हे देखो, हर तरफ सोने के आभूषण व साथ में खून से जमीन भी रंगी हुई है । वे जो खून की बूँदें देखते हैं, वह जटायु नामक एक खून बहते हुए पक्षी की है। इस महान पक्षी ने सीता के अपहरणकर्ता रावण के साथ बहादुरी से लड़ाई लड़ी थी, लेकिन व्यर्थ तो नहीं गया क्योंकि जटायू ने मरते मरते भगवान राम को सीता माता को रावण द्वारा हर कर ले जाने की खबर बता कर प्रभु की गोद में प्राण त्याग दिए । अपने मरने के क्षणों में, उसने राम को यह बताने की कोशिश की, संभवतः अपनी सांकेतिक भाषा का उपयोग करके, कि उसने संकट में किसी युवती को जोर से और बार-बार चिल्लाते हुए सुना, हे राम, मुझे बचाओ, मुझे बचाओ। इससे यह भी संकेत मिलता है कि अपहरणकर्ता उड़ने वाली यान जैसी किसी चीज़ का इस्तेमाल किया था और दक्षिण की ओर जा रहा था। तब पक्षी ने अपनी अंतिम साँस ली। उस सुराग के साथ, दोनों भाइयों ने सीता की खोज शुरू की, पहाड़ियों पर चढ़ते-उतरते और नदियाँ पार करते हुए, और भी बहुत कुछ! किस्मत से, राम अब 'किष्किंधा' (अब भारत के कर्नाटक राज्य में स्थित) नामक एक छोटे से राज्य में पहुँचते हैं। उस छोटे से राज्य पर तब वालि नाम का एक राजा राज करता था। कुछ लोग 'व' को 'ब' में बदल देते हैं और उसे बाली कहते हैं। मैं 'ब' के बजाय संस्कृत शब्द 'वालि' का उपयोग करना पसंद करता हूँ, ताकि कोई बाली को इंडोनेशिया के उस नाम वाले शहर से भ्रमित न हो। ऐसा कहा जाता है कि जब भी कोई वालि से लड़ता था, तो वालि को अपने दुश्मन की आधी ताकत हड़पने की शक्ति प्राप्त हो जाती थी। यह शक्ति वास्तव में उसके नाम 'वालि' के अनुरूप है, जिसका अर्थ है ताकत। राम की मुलाकात वालि के छोटे भाई 'सुग्रीव' से होती है। सुग्रीव लगभग वैसी ही स्थिति में था जैसी उस समय राम थे।

(चिंतन-मनन)

धर्म का आदर

चिंतन मनन

स्वामी श्रद्धानंद महर्षि दयानंद के योग्य शिष्य थे। उन्होंने शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए देश के कई हिस्सों में गुरुकुल कांगड़ी और अन्य संस्थाओं की स्थापना की थी। एक बार रुड़की चर्च के पादरी फादर विलियम ने स्वामी जी से पत्र लिखकर कहा- स्वामी जी, मुझे लगता है कि अगर मैं हिंदी सीख लूं तो शायद भारत में मैं अपने धर्म का प्रचार बेहतर ढंग से कर पाऊंगा। क्या इसके लिए आप मुझे अपने गुरुकुल में प्रवेश दे सकते हैं? मैं वादा करता हूं कि अपने अध्ययन के दौरान मैं ईसाई धर्म की चर्चा नहीं करूंगा और उसके प्रचार की कोई कोशिश नहीं करूंगा।

स्वामी जी ने पत्र के जवाब में लिखा- फादर, गुरुकुल कांगड़ी में आपका खुले दिल से स्वागत है। आप यहां अतिथि बनकर हमारी सेवाएं ले सकते हैं। मगर आपको एक वचन देना होगा। जब तक आप यहां रहेंगे तब तक आप अपने धर्म का खुलकर प्रचार-प्रसार करेंगे ताकि हमारे छात्र भी ईसा मसीह के उपदेशों को समझ सकें और उन्हें ग्रहण कर सकें। मैं चाहता हूं कि हमारे छात्र धर्मों का आदर करना सीखें। धर्म प्रेम सिखाता है बैर नहीं। हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अपने अलावा दूसरे धर्मों को भी जाने। अधिक से अधिक धर्मों के विषय में जानकर हम एक अच्छे इंसान बन सकते हैं।

स्वामी जी का यह जवाब पढ़कर फादर अभिभूत हो गए। वे जब तक गुरुकुल में रहे, छात्रों को ईसाई धर्म के बारे में बताते रहे। यहां रहकर भारतीयों को लेकर उनकी कई धारणाएं बदल गईं। वे जीवन भर गुरुकुल के लिए कार्य करते रहे।

विचार मंथन

प्रशासनिक तंत्र की जवाबदेही तय हो, लापरवाही पर कड़ी सजा

(लेखक- सनत जैन)

लोकतंत्र की सफलता की नींव एक सशक्त, जवाबदेह और संवेदनशील शासन एवं प्रशासनिक व्यवस्था पर टिकी होती है। हाल के वर्षों में न्यायालयों के आदेशों की लगातार अनदेखी की जा रही है। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मनमाने निर्णय लेकर कार्यवाही की जा रही हैं। जिसके कारण यह सवाल खड़ा हो रहा है, क्या हमारे प्रशासनिक अधिकारी कानून और न्यायिक संस्थाओं के पारित आदेशों का सम्मान कर रहे हैं? राजस्थान उच्च न्यायालय की हाल ही में आई रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान राज्य में न्यायालय के 7,148 आदेशों की अनदेखी करते हुए पालन नहीं किया गया है। जो यह दर्शाता है, प्रशासनिक एवं न्यायिक तंत्र में यह समस्या कितनी गंभीर हो गई है। न्यायालय के आदेशों का पालन नहीं करने पर यह स्थिति केवल अवमानना का मसला नहीं माना जाना चाहिए। बल्कि शासन एवं प्रशासन तंत्र की मानसिकता न्याय तंत्र को लेकर कैसी है। यह इस रिपोर्ट से उजागर होती है। पिछले कुछ वर्षों से भारत में जिस तरह की माब लीचिंग, बुलडोजर न्याय, शासन एवं प्रशासन के दबाव में पुलिस द्वारा काल्पिनिक अपराध कायम कर नागरिकों को प्रमाणित किया जा रहा है। यह किसी से छिपा नहीं है। समय-समय पर हाईकोर्ट एवं सुप्रीमकोर्ट ने जाँच एजेंसियों, पुलिस और सक्षम प्रशासनिक अधिकारियों के लिये निर्देश जारी किये। किन्तु उनका पालन करने के स्थान पर सत्तापक्ष के राजनेताओं के दबाव में जिस तरह से असंवैधानिक एवं कानूनों की अनदेखी हो रही है। उससे न्यायपालिका की साख में सबसे ज्यादा गिरावट आई है। यदि उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय के आदेशों को लागू करने में सरकार या प्रशासनिक अधिकारी आनाकानी करें। यह न केवल लोकतंत्र के लिए संकट की स्थिति है, बल्कि नागरिकों के संवैधानिक एवं मौलिक अधिकारों का भी खुला हनन है। विभागीय प्रमोशन, सेवा विस्तार या स्थानांतरण जैसे मुद्दों पर न्यायालयों के निर्देशों और आदेशों का पालन नहीं किया जाता है। यह सिलसिला वर्षों तक खिंचता है। प्रशासकीय अधिकारियों और शासन द्वारा लगातार अपील पर अपील की जाती हैं अंतिम निर्णय आ जाने के बाद भी उसका पालन नहीं किया जाता है। कुछ ऐसी ही स्थिति नागरिक अधिकारों के मामलों में देखने को मिलती है। जहां प्रशासन नियम और कानून के विपरीत कार्यवाही करते है। न्यायालय से अंतिम फैसला भी हो जाता है। उसे सरकार के जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा लागू नहीं किया जाता है। जब तक सरकार और प्रशासन के उच्च पदों पर बैठे अधिकारी, न्यायिक आदेशों को लेकर जिम्मेदार नहीं ठहराए जाएंगे। जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध जब तक कड़ी कार्रवाई नहीं होगी। तब तक प्रशासन और न्यायपालिका की व्यवस्था नहीं सुधर सकती है। लोकतंत्र में हर किसी की जवाबदेही तय है। जब तक इस जवाब देही का सख्ती से पालन नहीं किया जाएगा। सिर्फ चेतावनी या स्थानांतरण प्रशासकीय व्यवस्था को सुधारने के लिए काफी नहीं है। न्यायपालिका को गैर जिम्मेदार और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई, आर्थिक दंड और कठोर सजा देने की आवश्यकता है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट अवमानना के प्रकरणों में प्रशासकीय अधिकारियों को कठोर दंड देकर, नसीहत देने की जरूरत है। ताकि आगे कोई भी अधिकारी अदालत के आदेशों की अवमानना करने की हिम्मत न कर सके। सरकारों को चाहिए, वह अपने अधीनस्थ अधिकारियों को समयबद्ध न्यायिक आदेशों के पालन सुनिश्चित करने की जवाब देही तय हो। ऐसी स्थिति में न्यायपालिका के आदेश पर शासन भी ऐसे अधिकारियों पर कठोर कार्यवाही कर उन्हें सेवा से हटाने का निर्णय भी कर सकती है। यदि ऐसा होगा तभी कानून का राज कायम हो सकेगा। न्याय पालिका की गरिमा तथा लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है।

प्रशासनिक तंत्र में जवाबदेही की भावना को संस्थागत रूप से मजबूत करने की महत्व आवश्यकता है। नागरिकों को भी अपने संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक होना होगा। नागरिक जब जागरूक होंगे, तब प्रशासन के अधिकारी अपनी मनमानी नहीं कर पाएंगे। अदालत में आपके पक्ष में फैसला हुआ है, उस आदेश के पूर्ण पालन होने तक तक नागरिकों को सजग रहने की जरूरत है। हर नागरिक को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सचेत रहेगा तभी नागरिकों के मौलिक और संवैधानिक अधिकार सुरक्षित रह पाएंगे। नागरिकों को अपनी लड़ाई स्वयं लड़ना होगी। कहा जाता है भरोसे की भैंस हमेशा पड़ा को जन्म देती है। स्वयं की लड़ाई कोई दूसरा लड़ने के लिए नहीं आएगा। अदालतों को भी, यदि उनके आदेश का पालन नहीं किया जाता है। ऐसी स्थिति में सख्त कार्रवाई करनी चाहिए संविधान ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट को असीमित अधिकार दिए हैं। जिससे वह संविधान में प्रदत नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा कर सकें।

खुले दो धमाकेदार आईपीओ, ग्रे मार्केट में दिखा जोरदार क्रेज

मुंबई।

इस हफ्ते एक बार फिर आईपीओ बाजार में हलचल देखने को मिल सकती है। कुल 9 आईपीओ निवेशकों के लिए खुलने जा रहे हैं, जिनमें से दो मेन बोर्ड आईपीओ - स्क्लोस बेंगलोर और ऐ जिस वोपाक टे मिंनल सोमवार 26 मई से खुल चुके हैं। इन दोनों को ग्रे मार्केट से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है, जिससे इनकी लिस्टिंग को लेकर सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। स्क्लोस लीला होटल्स का संचालन करती है। इस सार्वजनिक पेशकश का कुल इश्यू साइज 3,500 करोड़ है। इसमें कंपनी द्वारा 2,500 करोड़ के 5.75 करोड़ नए (फ्रेश) शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि 1,000 करोड़ के 2.30 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल के तहत उपलब्ध कराए गए हैं। निवेशक इस आईपीओ में 28 मई तक बोली लगा सकते हैं, जबकि इसकी संभावित लिस्टिंग तिथि 2 जून है।

पीएनबी का 16,000 करोड़ की वसूली का लक्ष्य

नई दिल्ली।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने चालू वित्त वर्ष में 16,000 करोड़ रुपये की वसूली और एक प्रतिशत से कम 'स्लिपेज' का लक्ष्य तय किया है। पीएनबी के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। बैंकिंग में नियमित रूप से किस्त अदायगी वाले अच्छे कर्ज के फंसे हुए ऋण में बदलने की दर को स्लिपेज कहते हैं। बैंक की कुल वसूली चौथी तिमाही में 4,733 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में 14,336 करोड़ रुपये रही। इस दौरान कुल स्लिपेज अनुपात 0.73 प्रतिशत था। पीएनबी के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा` कि आने वाले वक्त में वसूली को अधिकतम करना और नए 'स्लिपेज' को रोकने की प्राथमिकता होगी। हम वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 14,000 करोड़ रुपये की वसूली के मुकाबले इस साल 16,000 करोड़ रुपये वसूली का लक्ष्य बना रहे हैंज हमें उम्मीद है कि तिमाही आधार पर हमारी स्लिपेज लगभग 1,500 करोड़ रुपये से 1,700 करोड़ रुपये के बीच होगी

भारत की हरित ऊर्जा क्षमता 232 गीगावाट तक पहुंची

नई दिल्ली।

भारत ने पिछले दशक में अपनी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में तीन गुना वृद्धि दर्ज की है, जिसमें स्थापित हरित ऊर्जा क्षमता 232 गीगावाट तक पहुंच गई है। आधिकारिक सूत्रों के मुता बिक भारत नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश के रूप में उभरा है। ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों का शुल्क 80 प्रतिशत घटकर 10.95 रुपये प्रति यूनिट हो गया है। भारत की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता मार्च 2014 में 2.82 गीगावाट थी, पवन ऊर्जा क्षमता 2014 में 21 गीगावाट से बढ़कर वर्तमान में 51 गीगावाट हो गई है। सूत्रों ने बताया कि संप्रग सरकार के दौरान भारत की सौर विनिर्माण परिदृश्य में नहीं के बराबर मौजूदगी थी। देश में वर्ष 2014 में मात्र दो गीगावाट सौर मॉड्यूल उत्पादन क्षमता थी। 2024 में भारत वैश्विक स्तर पर अग्रणी स्थिति में आ गया और सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता 90 गीगावाट तक बढ़ गई। इसके 2030 तक 150 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है।आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 2014 में, भारत में सौर सेल और वेफर का घरेलू उत्पादन लगभग शून्य था, जो पिछली सरकार की एक बड़ी नीतिगत विफलता थी। वर्तमान में भारत ने 25 गीगावाट सौर सेल उत्पादन और दो गीगावाट वेफर उत्पादन के साथ एक मजबूत आधार बनाया है।

भारत और रूस ने ब्रह्मोस मिसाइल के नए वर्जन निर्माण को लेकर की चर्चा

मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की योजनाएं मजबूत होंगी

नई दिल्ली।

भारत और रूस ने मिलकर ब्रह्मोस मिसाइल के नए और बेहतर वर्जन का निर्माण करने पर बातचीत की है। ब्रह्मोस मिसाइल ने ऑपरेशन सिंदूर में साबित की अपनी क्षमता और अब उत्तर प्रदेश में नए कारखाने के जरिए इसका उत्पादन बढ़ाने का निशाना रखा है। इस प्रोजेक्ट से मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की योजनाएं मजबूत होंगी और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित किया जाएगा। यह भारत की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करेगा और रोजगार के नए अवसर प्रदान करेगा। भारत ने अपनी लड़ाकू विमानों से ब्रह्मोस मिसाइलें दागकर पाकिस्तान के रावलपिंडी के पास स्थित नूर खान एयरबेस पर हमला किया। इस मिसाइल की शक्ति और स्पीड के माध्यम से भारत ने दुश्मनों को संगीन संदेश भेजा है कि वह किसी भी ज्ञात एयर डिफेंस सिस्टम से रोका नहीं जा सकता। इससे राष्ट्रीय सुरक्षा को और मजबूती मिलेगी और साथ ही पाकिस्तान और चीन को भी आवाज दी जा रही है कि भारत को किसी भी समर्थन की आवश्यकता नहीं है। ब्रह्मोस मिसाइल के उत्पादन से जुड़े सहायक उद्योगों का विकास होने के साथ-साथ भारत की आत्मनिर्भरता में और भी पहल की जा रही है। इससे लागत कम होने, रोजगार के अवसर प्रदान होने और उत्पादन में वृद्धि होने की संकेत मिल रहे हैं। भारतीय रक्षा क्षेत्र को साशक्तिकरण के सपने पूरे करने के लिए नए उत्पादों के निर्माण में और भी तेजी से काम करना होगा। इससे हमारे देश की प्रगति और स्वावलंबनता में और भी सुधार होगा।

इस सप्ताह खुलेंगे 9 कंपनियों के आईपीओ

7000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। आईपीओ के जरिए शेयर बाजार में निवेश करने वालों को इस हफ्ते कई मौके मिलेंगे। इस सप्ताह बाजार में 9 आईपीओ खुलने वाले हैं। ये आईपीओ मेनबोर्ड और एसएमई सेगमेंट में खुलेंगे। इनमें से दो आईपीओ मेनबोर्ड कैटेगरी के हैं। इनके नाम ऐ जिस वोपाक टे मिंनल और स्कालोस बेंगलोर हैं। ये दोनों मिलकर 6,300 करोड़ रुपये से ज्यादा जुटाना चाहते हैं। बाकी सात आईपीओ एसएमई सेगमेंट से हैं। इस सप्ताह करीब 7,000 करोड़ रुपये के आईपीओ लॉन्च होंगे। आईपीओ की इतनी भीड़ ऐसे समय में आ रही है जब बाजार में काफी उतार-चढ़ाव है। लेकिन कंपनियों को उम्मीद है कि एसएमई और बड़ी कंपनियों के आईपीओ में निवेशकों की दिलचस्पी बनी रहेगी। मेनबोर्ड आईपीओ को कैसा रिस्पॉन्स मिलता है, इससे ये भी पता चलेगा कि जून और बाकी साल में बाजार कैसा रहेगा। एसएमई सेगमेंट में कई कंपनियां अपने आईपीओ ला रही हैं। प्रोस्टर्म इंफो`` सिस्टम 27 मई को अपना आईपीओ खोलेगी। ये कंपनी 168 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। ब्ल्यू वाटर भी 27 मई को अपना ढ्ढक्क खोल रही है। ये 40.50 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। एस्टो निया लैब जो एक फार्मा कंपनी है, 37.67 करोड़ रुपये का आईपीओ लाएगी। ये कंपनी दवाइयां बनाती है।

ग्रो ने आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए, एक अरब डॉलर जुटाने का लक्ष्य

आईपीओ का अनुमानित आकार 70 करोड़ डॉलर से एक अरब डॉलर के बीच हो सकता है

नई दिल्ली।

ग्रो ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि 'स्टॉक ब्रोकिंग' कंपनी ने गोपनीय मार्ग से भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए। आईपीओ का अनुमानित आकार 70 करोड़ डॉलर से एक अरब डॉलर के बीच हो सकता है। यह नए निर्गम और बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन होगा। मामले के जानकार लोगों का कहना है कि कंपनी को पीक, टाइगर कैपिटल और माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला जैसे प्रमुख निवेशकों का समर्थन प्राप्त है। कंपनी आईपीओ से प्राप्त राशि का इस्तेमाल प्रौद्योगिकी विकास एवं कारोबार विस्तार में निवेश के लिए करने की योजना बना रही है। इस निर्गम का प्रबंधन करने के लिए ग्रो ने जेपी मॉर्गन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड, एक्सिस कैपिटल लिमिटेड और मोतीलाल ओसवाल सिक्योरिटीज लिमिटेड को नियुक्त किया है। ग्रो कंपनी 2016 में स्था पित की गई थी। यह वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में सबसे तेजी से बढ़ने वाला खुदरा ब्रोकिंग मंच बन गई, जिसके पास मार्च 2025 तक 26 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सेदारी थी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 455 अंक, निफ्टी 148 अंक ऊपर आया

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 455 अंक बढ़कर 82,176.45 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई एनएसई निफ्टी 0.60 फीसदी 148 अंक ऊपर आकर 25,001.15 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान वाहन, आईटी और धातु शेयरों में तेजी से भी बाजार ऊपर आया।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स पर एमएंडएम, टाटा मोटर्स, एलएंडटी नेस्ले इंडिया, एचसीएलटेक और टेक महिंद्रा के शेयर सबसे अधिक उछले जबकि कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक और इटरनल (जोमैटो) के शेयर सबसे अधिक गिरे।

निफ्टी ऑटो सूचकांक (1.08 फीसदी), निफ्टी आईटी सूचकांक (1.01 फीसदी) और निफ्टी मेटल सूचकांक (0.92 फीसदी) उछले। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 सूचकांकों में भी 0.63 फीसदी और 0.36 फीसदी की तेजी रही। अमेरिका के यूरोपीय यूनियन से आयात पर लगाए जाने वाले 50 फीसदी टैरिफ को टालने और व्यापार वार्ता की समयसीमा बढ़ाने से भी बैंकिंग और ऑटो शेयरों में उछाल आया जिसका सकारात्मक प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा।

वहीं आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच ही बाजार तेजी के साथ खुला। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में तेजी से बाजार को बल मिला। सुबह सेंसेक्स आज 200 से ज्यादा अंक चढ़ाकर 81,928.95 पर

खुला। खुलते ही यह 500 से ज्यादा अंक चढ़ गया। सुबह शुरुआत के बाद यह 618.15 अंक की बढ़त लेकर 82,339.23 पर था। वहीं निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 24,919.35 पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 164.20 अंक की बढ़त के साथ 25,017.35 पर कारोबार कर रहा था। बाजार में सभी सेक्टर हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। निफ्टी फार्मा, मेटल और ऑटो सेक्टर में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिल रही। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.7 फीसद ऊपर था। जबकि व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स 0.53 फीसदी बढ़ा। शुरुआती कारोबार में कोस्पी 0.7 फीसद चढ़ा, जबकि एएसएक्स 200 सपाट कारोबार कर रहा था। एशिया के शुरुआती कारोबारी घंटों के दौरान अमेरिकी शेयर वायदा में तेजी आई। मेमोरियल डे के कारण सोमवार को अमेरिकी बाजार बंद रहे।

भारत अब दुनिया की चौथी बड़ी आर्थिक शक्ति है, यह मामूली उपलब्धि नहीं- आनंद महिन्द्रा

जश्न के साथ-साथ आगे की चुनौतियों पर भी ध्यान देना जरूरी

मुंबई। उद्योगपति आनंद महिन्द्रा ने एक्स पर दुनिया की टॉप 10 अर्थव्यवस्थाओं की सूची साझा करते हुए अपने बिजनेस स्कूल के दिनों को याद किया। उन्होंने लिखा, जब मैं बिजनेस स्कूल में था, तब भारत का जीडीपी में जापान से आगे निकलना महज़ एक कल्पना जैसा लगता था। आज यह मील का पत्थर हकीकत बन चुका है- भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है। यह एक मामूली उपलब्धि नहीं है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि इस उपलब्धि पर जश्न के साथ-साथ आगे की चुनौतियों पर भी ध्यान देना जरूरी है। खासकर प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाना अगला बड़ा लक्ष्य होना चाहिए। इसके लिए उन्होंने इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में सुधार की निरंतर आवश्यकता बताई। इस रिपोर्ट को लेकर नीति आयोग के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने भी कहा कि भारत की इकोनॉमी अब 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो चुकी है। यह कोई अनुमान नहीं, बल्कि आईएमएफ के आधिकारिक डेटा पर आधारित है। उन्होंने भरोसा जताया कि अगर भारत की यही रफ्तार बनी रही, तो अगले 2-3 वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।

सोना-चांदी की कमजोर शुरुआत

सोने का भाव 95,900 रुपए, चांदी के भाव 97,900 रुपए के करीब

नई दिल्ली।

इस सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव सोमवार को गिरावट के साथ खुले। घरेलू बाजार में सोने के भाव 95,900 रुपये, जबकि चांदी के भाव 97,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वै श्विक बाजार में सोना नरमी व चांदी तेजी के साथ कारोबार कर रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट सोमवार को 420 रुपये की गिरावट के साथ 96,001 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 96,421 रुपये था और यह 496 रुपये की गिरावट के साथ 95,925 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 176 रुपये की गिरावट के साथ 97,878 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 98,054 रुपये था। इस समय यह 140 रुपये की गिरावट के साथ 97,914 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं वै श्विक बाजार में सोने के वायदा भाव में नरमी,जबकि चांदी के भाव में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,355.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,365.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 21.40 डॉलर की गिरावट के साथ 3,344.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव पिछले महीने 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे। कॉमेक्स पर

चांदी के वायदा भाव 33.61 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 33.60 डॉलर था। इस समय यह 0.04 डॉलर की तेजी के साथ 33.64 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

जल्द लॉन्च होने वाले रीयलमी के स्मार्टफोन ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली।

रीयलमी के लॉन्च होने वाले स्मार्टफोन ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। दरअसल रीयलमी जीटी7 की जिसने पूरे 24 घंटे तक मूवी प्ले करके एक अनोखा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। यह स्मार्टफोन जल्द ही लॉन्च होने वाला है। रीयलमी ने 23 मई को पूरे 24 घंटे तक मूवी प्ले करने का रिकॉर्ड बनाया।

बता दें रीयलमी की एंडलैस पॉवर जर्नी नाम की एक खास मुहिम के तहत कंपनी ने एक अनोखा रिकॉर्ड बनाने की कोशिश की है। यह इवेंट यूरोप में एक क्रूज पर आयोजित किया गया था, जिसकी शुरुआत रोम, इटली से हुई। इस चैलेंज की शुरुआत 22 मई 2025 को शेनझेन, चीन से एक लाइवस्ट्रीम के जरिए की गई थी। 24 घंटे तक मूवी प्लेबैक करने के इस रिकॉर्ड को 23 मई 2025 की रात 9:30 बजे आधिकारिक रूप से पूरा किया गया। जहां गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के जजेस ने इसे मान्य घोषित किया। रीयलमी ने हाल ही में अपने अपकमिंग स्मार्टफोन जीटी7 सीरीज से जुड़ी कुछ जानकारी शेयर की हैं। कंपनी के मुताबिक इस शानदार रिकॉर्ड के पीछे फोन की पावरफुल 7000मेगाहॉर्स की बैटरी है, जो 120वोल्ट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। इतनी बड़ी बैटरी और तेज चार्जिंग की वजह से ही रीयलमी जीटी7 ने बिना रुके 24 घंटे लगातार मूवी चलाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी ने यह भी बताया कि जीटी 7 की बैटरी की क्वालिटी को अंतरराष्ट्रीय मानकों के मुताबिक 5-स्टार बैटरी सर्टिफिकेशन से नवाजा गया है। यह इस फोन में इस्तमाल की गई बैटरी की क्वालिटी और सेफ्टी को साबित करता है। बता दें यह सर्टिफिकेशन सिर्फ उन्हीं डिवाइसेज को दिया जाता है, जो लंबी बैटरी लाइफ, तेज चार्जिंग और सुरक्षित इस्तेमाल के सभी स्टैंडर्ड्स पर खरे उतरते हैं। रीयलमी जीटी7 सीरीज का ग्लोबल और इंडिया लॉन्च 27 मई 2025 को होने वाला है। यह खास लॉन्च इवेंट पेरिस, फ्रांस में होगा। इस मौके पर कंपनी जीटी7 और जीटी7टी दोनों ही पेश किए जाएंगे। लॉन्च के बाद इन दोनों स्मार्टफोन मॉडल्स को साइड और अन्य रिटेल स्टोर्स से खरीदा जा सकेगा।

कुल मिलाकर इस वर्ल्ड रिकॉर्ड के जरिए रीयलमी जीटी7 ने साबित कर दिया है कि बैटरी को लेकर इस फोन से किसी को कोई शिकायत नहीं होने वाली।

जुपिटर आंध्र प्रदेश में 2700 करोड़ से संयंत्र स्थापित करेगी

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग ने निवेश योजना की मंजूर

अमरावती।

आंध्र प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन में तीसरी कंपनी बनी जुपिटर रिन्यूएबल्स ने 4.8 जीडब्ल्यू के सौर फोटोवोल्टिक सेल और 1.5 जीडब्ल्यू के मॉड्यूल विनिर्माण सुविधा की योजना बनाई है। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग ने उनकी निवेश योजना को मंजूरी दी है और राज्य को सौर ऊर्जा में और बढ़ावा देने के लिए जोड़ने की कोशिश की गई है। यह निवेश न केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाएगा बल्कि राज्य को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में मदद करेगा। अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में और अधिक निवेश के साथ, राज्य के विकास में सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा निवेश को मंजूरी देने के आदेश में कहा गया` कि कोलकाता स्थित जुपिटर इंटरनेशनल की अनुषंगी कंपनी जुपिटर रिन्यूएबल्स, 2,700 करोड़ रुपये के निवेश के साथ अनकापल्ली जिले के रामबिल्ली में 4.8 गीगावाट (जीडब्ल्यू) सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) सेल एवं 1.5 गीगावाट मॉड्यूल विनिर्माण सुविधा स्थापित करने की योजना बना रही है। जुपिटर राज्य में सौर ऊर्जा विनिर्माण आधार स्थापित करने वाली तीसरी कंपनी है। राज्य अब इस क्षेत्र में गुजरात, राजस्थान और तमिलनाडु जैसे अग्रणी राज्यों को चुनौती दे रहा है। इससे पहले, इंडोसोल को एक ऊर्ध्वाधर एकीकृत सौर पीवी विनिर्माण इकाई में 69,000 करोड़ रुपये के निवेश के लिए मंजूरी मिली थी। वहीं प्रीमियर एनर्जीज भी राज्य में दो चरणों में निवेश कर रही है। पहले चरण में 5 गीगावाट इनगॉट एवं सौर वेफर विनिर्माण में 1,742 करोड़ रुपये का निवेश होगा और दूसरे चरण में 8 गीगावाट सौर सेल विनिर्माण में 4,200 करोड़ रुपये का निवेश होगा। एन. चंद्रबाबू नायडू सरकार के पिछले साल सत्ता में आने के बाद से राज्य में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश में तेजी देखी गई है।

कैरेंस क्लैविस भारतीय बाजार में लॉन्च

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में किआ कंपनी ने अपनी एमपीवी कैरेंस क्लैविस को लॉन्च कर दिया है। कंपनी का यह मॉडल छह और सात सीट के लेआउट में उपलब्ध है। इसमें लेवल-2 अडास टेक्नोलॉजी दी गई है, जो सेफ्टी के लिहाज से खास है। कैरेंस क्लैविस की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 11.49 लाख रुपये से शुरू होकर टॉप मॉडल में 21.49 लाख रुपये तक जाती है। डिजाइन की बात करें तो किआ कैरेंस क्लैविस में नए एलईडी हेडलैम्प, कनेक्टेड एलईडी टेल लैम्प और आइवरी सिल्वर ग्लॉसी फिनिश जैसी खूबसूरती बढ़ाने वाली खूबियां हैं। नई एमपीवी डुअल-टोन 17-इंच के नए अलॉय व्हील्स और स्पोर्टी सैटिन क्रोम एक्सेंट्स के साथ आती है। अंदर केबिन में 67.62 सेंटीमीटर का डुअल-डिस्प्ले लेआउट दिया गया है, जो टेक्नोलॉजी प्रेमियों को आकर्षित करेगा। फीचर्स की लिस्ट भी काफी इम्प्रेसिव है। पावरट्रेन के मामले में कैरेंस क्लैविस में तीन इंजन ऑप्शन मिलते हैं 1.5 लीटर एनए पेट्रोल, 1.5 लीटर टर्बो पेट्रोल और 1.5 लीटर डीजल इंजन। गियरबॉक्स में 6-स्पीड मैनुअल, 6-स्पीड आईएमटी, 7-स्पीड डीसीटी और 6-स्पीड ऑटोमैटिक विकल्प शामिल हैं। यह नई किआ कैरेंस क्लैविस सीधे तौर पर मारुति सुजुकी अर्टिगा जैसी कारों से मुकाबला करेगी। इसमें वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें, पावर-एडजस्टेबल ड्राइवर सीट, बोस ब्रांड का 8-स्पीकर ऑडियो सिस्टम, डुअल-पैन पैनोरमिक सनरूफ, 64 रंगों में एम्बिएंट लाइटिंग और सीटबैक में स्मार्ट एयर प्यूरीफायर शामिल है। सुरक्षा के लिहाज से भी यह एमपीवी कम नहीं है, इसमें 6 एयरबैग्स का प्रावधान किया गया है।

शाओमी ने की नई इलेक्ट्रिक वाययू7 एसयूवी पेश

नई दिल्ली।

चाइनीज कंपनी शाओमी ने अपनी नई इलेक्ट्रिक वाययू7 एसयूवी को पेश किया है, जो कई मायनों में टेस्ला मॉडल वाय से आगे है।

शाओमी वाययू7 को तीन वैरिएंट स्टैंडर्ड, प्रो और मैक्स में उपलब्ध कराया गया है। स्टैंडर्ड वैरिएंट एडब्ल्यूडी कॉन्फिगरेशन में है, जिसमें 96.3 केडब्ल्यूएच एलएफपी बैटरी लगी है और यह 835 किलोमीटर की रेंज देता है। इसमें सिंगल रियर मोटर है जो 320 पीएस पावर जनरेट करता है। प्रो वैरिएंट एडब्ल्यूडी कॉन्फिगरेशन के साथ आता है, जिसमें डुअल मोटर होते हैं और कुल पावर 496 पीएस है, साथ ही 770 किलोमीटर की रेंज मिलती है।

टॉप-स्पेक मैक्स वैरिएंट में 101.7केडब्ल्यूएच एनएनसीएम बैटरी और 690 पीएस पावर के साथ 760 किमी की रेंज मिलती है। यह एसयूवी 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार केवल 3.23 सेकंड में पकड़ सकती है, जो टेस्ला मॉडल वाय से तेज़ है। वाययू7 में 15 मिनट की चार्जिंग में 620 किमी की रेंज हासिल होती है, जबकि टेस्ला मॉडल वाय इस समय में लगभग 260 किमी का सफर तय करता है। एसयूवी की लंबाई 4,999 मिमी, चौड़ाई 1,996 मिमी और ऊंचाई 1,600 मिमी है, जिसमें कई प्रीमियम डिज़ाइन एलिमेंट्स जैसे वॉटरड्रॉप हेडलाइट्स, फ्लश डोर हैंडल और कर्वी बॉडी पैनलिंग शामिल हैं।

फीचर्स की बात करें तो वाययू7 में नप्पा लेदर अपहोल्स्ट्री, 16.1 इंच की सेंट्रल टचस्क्रीन, 1.1 मीटर का अल्ट्रा-वाइड प्रोजेक्टेड डिस्प्ले और एडवांस्ड अडास सेफ्टी टेक्नोलॉजीज मौजूद हैं। एसयूवी में नविडिया ड्राइव एजीएक्स थोर टीउम कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म भी लगाया गया है, जो इसे तकनीकी तौर पर बेहद उन्नत बनाता है।

देश दशकों पुरानी बेड़ियों को तोड़कर, तरक्की की राह पर चल पड़ा : पीएम मोदी

देशवासियों के आर्शीवाद से दिनरात सेवा में जुटा हुआ हूं

अहमदाबाद।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के दाहोद में करीब 24,000 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने वेरावल और अहमदाबाद के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस और वलसाड और दाहोद स्टेशनों के बीच एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत में कहा कि आज 26 मई है। 2014 में इसी तारीख को मैंने पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। सबसे पहले गुजरात की जनता ने मुझे आशीर्वाद दिया, फिर करोड़ों भारतीयों ने मुझे आशीर्वाद दिया।

पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात के आप सभी लोगों में मुझे खूब आशीर्वाद दिया और बाद में देश के कोटि-कोटि जनों ने भी मुझे आशीर्वाद देने में कोई कमी नहीं रखी। आपके आशीर्वाद की ताकत से मैं दिनरात देश सेवा में जुटा रहा। इन वर्षों में देश ने वे फैसले लिए जो अकल्पनीय और अभूतपूर्व हैं।

इन सालों में देश ने दशकों पुरानी बेड़ियों को तोड़ा है। देश हर सेक्टर में तरक्की की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि आज देश निराशा के अंधकार से बाहर आकर विश्वास के उजाले में तिरंगा फहरा रहा है। आज हम 140 करोड़ भारतीय मिलकर अपने देश को विकसित भारत बनाने के लिए मेहनत कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि देश की तरक्की के लिए जो कुछ भी चाहिए, वहां हम भारत में ही बनाएं, ये आज के समय की मांग है। भारत आज तेज गति से मैन्युफैक्चरिंग की दुनिया में आगे बढ़ रहा है। देश की जरूरत के सामान का निर्माण हो या फिर दुनिया के अलग-अलग देशों में हमारे देश की बनी हुई चीजों का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत रेल, मेट्रो और इसके जरूरी तकनीकी खुद बनाता भी है और दुनिया में निर्यात भी करता है। हमारा ये दाहोद इसका जीता-जागता उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि थोड़ी देर पहले हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। इसमें सबसे शानदार दाहोद की इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव फैक्ट्री है। 3 साल पहले मैं इसका शिलान्यास करने आया था।

अब इस फैक्ट्री में पहला इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव बनकर तैयार हो गया है। आज गुजरात को एक और उपलब्धि हासिल हुई है। गुजरात के शत-प्रतिशत रेलवे नेटवर्क का विद्युतीकरण पूरा कर लिया है। इसके लिए मैं आप सभी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

एक्सिओम मिशन पर जाने से पहले एस्ट्रोनॉट शुभांशु हुए क्वारंटीन

चार एस्ट्रोनॉट 8 जून को 14 दिन के लिए स्पेस में जाएंगे

नई दिल्ली।

इंडियन एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) जाने से पहले क्वारंटीन हो गए हैं। उनके साथ मिशन के अन्य तीन एस्ट्रोनॉट भी क्वारंटीन हुए हैं। शुभांशु शुक्ला ने कहा कि मुझे पूरा यकीन है कि एक्सिओम मिशन सफल होगा। यह कमर्शियल स्पेस फ्लाइट के लिए मील का पत्थर साबित होगा। एक्सिओम स्पेस ने मिशन पर जाने वाले क्रू को विदाई दी। बता दें अंतरिक्ष में जाने से पहले क्वारंटीन एक जरूरी प्रक्रिया होती है। इसमें पूरे क्रू को आइसोलेशन में रखा जाता है, ताकि वह पूरी तरह से स्वस्थ्य रहे और मिशन के दौरान उन्हें कोई संक्रमण ना हो। एक्सिओम मिशन-4 में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 8 जून को 14 दिन के लिए स्पेस में जाने वाले हैं। नासा और इसरो के बीच हुए समझौते के तहत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है। शुभांशु के साथ तीन और एस्ट्रोनॉट भी जाएंगे एक्सिओम 4 मिशन के चालक दल में भारत, पोलैंड और हंगरी के सदस्य शामिल हैं। स्लावोज़ उज्नान्स्की 1978 के बाद स्पेस में जाने वाले पोलैंड के दूसरे एस्ट्रोनॉट होंगे। टिबोर कापू 1980 के बाद स्पेस में जाने वाले हंगरी के दूसरे एस्ट्रोनॉट होंगे। अमेरिकी की पैगी व्हिटसन का यह दूसरा कॉमर्शियल ह्यूमन स्पेस फ्लाइट मिशन है। शुभांशु मूल रूप से लखनऊ के रहने वाले हैं। इनकी पढ़ाई-लिखाई अलीगंज, लखनऊ में हुई। 12वीं के बाद उन्होंने नेशनल डिफेंस एकेडमी का एंट्रेंस एग्जाम क्लियर किया और यहीं से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की। एनडीए भारत में सशस्त्र बलों के लिए ऑफिसर कैडेट्स को प्रशिक्षण देने वाली एक प्रमुख संस्था है। ये ट्रेनिंग के साथ एकेडमिक डिग्री भी देती है, जो जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त होती है। शुभांशु को 17 जून, 2006 को भारतीय वायुसेना के फाइटर विंग में शामिल किया गया था। वे एक अनुभवी फाइटर और टेस्ट पायलट हैं। उनके पास 2,000 घंटे से ज्यादा का फ्लाइंग एक्सपीरियंस है। उन्होंने सुखोई-30 एमकेआई, मिग-21, मिग-29, जगुआर, हॉक, डोर्नियर और एएन-32 जैसे लड़ाकू विमानों को उड़ाया है।

अब जंग का नया मैदान बना नियर स्पेस यानी धरती से 20 से 100 किमी का इलाका

नई दिल्ली।

अब जंग का एक नया मैदान तैयार हो चुका है 'नियर स्पेस'ज यानी धरती से 20 से 100 किलोमीटर की ऊंचाई के बीच का इलाका। भारतीय वायुसेना ने इस रणनीतिक क्षेत्र को अब अपने नियंत्रण में लेना शुरू कर दिया है। नतीजा?

दुश्मन चाहे चीन हो या पाकिस्तान, अब उसे सिर्फ सीमा पर नहीं, आसमान से भी चौकस निगाहों का सामना करना पड़ेगा और वो भी एक ऐसे क्षेत्र से जो अब तक 'अनदेखा' और 'अछूता' था। यह इलाका न तो पूरी तरह वायुमंडल का हिस्सा है और न ही अंतरिक्ष की सैटेलाइट कक्षा में आता है। लेकिन यहीं से अब निगरानी, संचार और मिसाइल चेतावनी जैसे अहम काम होने जा रहे हैं।

पारंपरिक विमानों से ऊपर और सैटेलाइट्स से नीचे रहने वाले हाइ-एल्टीट्यूड प्लेटफॉर्म्स जैसे हैप्स (हाई-एल्टीट्यूड स्यूडो सैटेलाइट्स) और स्ट्रेटोस्फेरिक बैलून्स अब इस क्षेत्र को भारतीय सुरक्षा की नई 'चौकी' में तब्दील कर रहे हैं।

नियर स्पेस का इस्तेमाल केवल निगरानी तक सीमित नहीं है। युद्ध के समय सैटेलाइट या साइबर अटैक से अगर संचार बाधित होता है, तो यही हाइ-एल्टीट्यूड प्लेटफॉर्म सेना के तीनों अंगों को जोड़ने वाले 'संचार पुल' का काम करेंगे। इसके अलावा, जब बैलिस्टिक मिसाइलें अपने मिड-कोर्स फेज में होती हैं, तो यही 'नियर स्पेस' उन्हें ट्रैक करने का सबसे उपयुक्त स्थान बन जाता है। डीआरडीओ और वायुसेना मिलकर ऐसे एडवांस सेंसर बना रही हैं जो तुरंत खतरे का पता लगाकर जवाबी कार्रवाई संभव बना सकें। भारत अब हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी पर तेजी से काम कर रहा है। ये ऐसी मिसाइलें होती हैं, जो मैक-5 से ज्यादा रफ्तार से चलती हैं। ये हथियार 'नियर स्पेस' में ही ऑपरेट करते हैं और दुश्मन की पारंपरिक सुरक्षा प्रणालियों को पार कर सकते हैं।

नया बीएफएस सिस्टम मौसम की पहले से ज्यादा सटीक जानकारी देगा

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री आज इसे देश को सौपेंगे

नई दिल्ली।

भारत सरकार सोमवार को एडवांस भारत फोरकास्ट सिस्टम (बीएफएस) लॉन्च करेगी। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह इसका उद्घाटन करेंगे। यह सिस्टम आपदा प्रबंधन, खेती, जल प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा में पंचायत स्तर तक मदद करेगी। बीएफएस सिस्टम मौसम के बारे में पहले से कहीं ज्यादा सटीक और छोटी से छोटी जानकारी उपलब्ध कराएगा। इस सिस्टम को पुणे के इंडियन इंडियन इंस्टिट्यूट और ट्रॉपिकल मेट्रोलॉजिकल ने तैयार किया है।

बीएफएस सिस्टम 6 किलोमीटर के रिजोल्यूशन पर मौसम का अनुमान लगाएगा, जो दुनिया में सबसे बेहतर है। इससे छोटी-छोटी मौसम घटनाओं जैसे बारिश, तूफान का पहले से ज्यादा सटीक पता लगाया जा सकेगा। मिनिस्ट्री ऑफ अर्थ साइंस के सेक्रेटरी ने बताया कि अब मौसम का पूर्वानुमान पहले से ज्यादा सटीक होगा। उन्होंने कहा कि पहले सुपरकम्प्यूटर प्रत्यूष का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब नए सुपरकम्प्यूटर अर्का का इस्तेमाल किया जाएगा।

प्रत्यूष को मौसम मॉडल चलाने में 10 घंटे लगते थे, वहीं अर्का सिर्फ 4 घंटे में काम पूरा करेगा। यह सिस्टम 40 डॉपलर रडार से डेटा लेता है और भविष्य में 100 रडार के साथ और बेहतर होगी। इससे 2 घंटे के स्थानीय पूर्वानुमान संभव हो सकेंगे।

निरीक्षण करने देवगढ़ पहुंची टीम पर सैकड़ों मधुमक्खियों ने किया हमला

एडीएम को लगे 500 डंक अस्पताल में चल रहा इलाज, ग्रामीणों ने बचाया

ललितपुर।

यूपी के ललितपुर जिले के देवगढ़ गांव में रविवार को निरीक्षण के लिए पहुंचे वरिष्ठ अधिकारियों पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। इस हमले में अपर जिलाधिकारी (एडीएम) को करीब 500 मधुमक्खियों ने डंक मारे, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई। उन्हें तत्काल झांसी रेफर किया गया, जहां इलाज चल रहा है।जानकारी के मुताबिक यह घटना तब हुई जब रेशम विकास और युवा कल्याण विभाग के विशेष सचिव के नेतृत्व में अधिकारियों की एक टीम ललितपुर से 35 किलोमीटर दूर देवगढ़ गांव में जल व्यवस्थाओं और पर्यटन संभावनाओं का जायजा लेने पहुंची। टीम में एडीएम के अलावा सीडीओ, नायब तहसीलदार, लेखपाल, पुलिसकर्मी, और अन्य कर्मचारी शामिल थे। बताया जा रहा है कि जैसे ही अधिकारी देवगढ़ की बौद्ध गुफाओं के पास पहुंचे, अचानक मधुमक्खियों के झुंड उन पर हमला कर दिया।

अफसर जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। कुछ जमीन पर लेट गए, तो कुछ ने गाड़ियों में शरण ली। सीडीओ ने अपने बचाव में मुंह मिट्टी में दबा लिया, फिर भी उन्हें कई डंक मारे। उनकी स्थिति अब सामान्य है और उनका इलाज ललितपुर में चल रहा है। मौके पर मौजूद एडीएम को बचाने की कोशिश उनके गनर और अर्दली ने की, लेकिन वे भी हमले का शिकार हुए। स्थिति गंभीर होती देख स्थानीय ग्रामीण कंबल ओढ़कर मौके पर पहुंचे और अधिकारियों को किसी तरह बचाकर बाहर लाए। इस घटना में कुल 7 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई सरकारी कर्मचारी और सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं। सूचना मिलते ही मुख्य चिकित्साधिकारी मेडिकल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जिलाधिकारी भी मेडिकल कॉलेज पहुंचे और एडीएम समेत सभी घायलों का हालचाल जाना। इस हादसे ने प्रशासनिक अमले को हिला कर रख दिया है।

ऑपरेशन सिंदूर समेत हर मुद्दे पर नेताओं को बोलने की जरुरत नहीं

पीएम मोदी ने मुख्यमंत्रियों और उप-मुख्यमंत्रियों की बैठक में दी चेतावनी

नई दिल्ली।

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उप-मुख्यमंत्रियों के साथ दिल्ली में बैठक की थी। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि उन्होंने नेताओं को ऑपरेशन सिंदूर और इससे जुड़े मुद्दों पर टिप्पणी करने के लिए चेतावनी दी है। पीएम मोदी ने एनडीए नेताओं से कहा कि उन्हें हर मुद्दे पर बोलने की जरूरत नहीं। न ही गैर-जरूरी बयानबाजी देने की जरूरत है। बता दें 11 मई को मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकियों की बहन बताया था। उनके इस बयान को लेकर देश में बवाल मच गया था लोगों के साथ विपक्ष भी सरकार पर हमलावर हो गया था। इसके बाद विजय शाह ने वीडियो जारी कर माफी मांगी थी। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। कोर्ट ने विजय शाह की माफी को नामंजूर करते हुए कहा कि मंत्री के बयान से पूरा देश शर्मसार है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जांच के लिए एसआईटी गठित की गई हैं। हालांकि उनकी गिरफ्तारी पर फिलहाल रोक लगी है। विजय शाह के मामले के बीच हरियाणा से बीजेपी के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने 24 मई को कहा था कि अपना सुहाग खोने वाली महिलाओं में वीरांगना का

भाव और जोश नहीं था, इसलिए 26`` लोग आतंकियों का शिकार बने। सांसद ने कहा था कि पर्यटक हाथ जोड़कर मारे गए। अगर पीएम मोदी की योजना के तहत ट्रेनिंग लेते और सामना करते तो इतनी मौतें नहीं होतीं। बीजेपी सांसद जांगड़ा को अपने बयान को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, जिसके बाद रविवार को उन्होंने भी माफी मांग ली। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विवाद पैदा करने के लिए उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है।

पीएम मोदी ने वडोदरा में किया रोड शो, दाहोद में 9000 हॉर्सपावर वाले रेल इंजन का किया लोकार्पण

दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं प्रधानमंत्री

वडोदरा/दाहोद।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। सोमवार को दौरे के पहले दिन उन्होंने वडोदरा एयरपोर्ट से 'सिंदूर सम्मान यात्रा' के तहत रोड शो की शुरुआत की। इसके बाद वे दाहोद पहुंचे, जहां उन्होंने देश के पहले 9000 हॉर्सपावर वाले इलेक्ट्रिक रेल इंजन का लोकार्पण किया।

प्रधानमंत्री मोदी अपने दो दिवसीय गुजरात दौरे के पहले दिन वडोदरा पहुंचे हैं। यहां पीएम मोदी ने एयरपोर्ट से निकलते हुए सिंदूर सम्मान यात्रा के तहत रोड शो का शुभारंभ किया है। प्रधानमंत्री मोदी सुबह 10 बजे वडोदरा एयरपोर्ट पहुंचे थे। उन्होंने एयरपोर्ट से एयरफोर्स गेट तक एक किलोमीटर लंबा रोड शो किया। इसे 'सिंदूर सम्मान यात्रा' नाम दिया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग पूरे जोश और सम्मान के साथ शामिल हुए हैं। यहां पर विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी के परिवार के सदस्यों ने भी फूल बरसाकर पीएम मोदी और रोड शो में शामिल लोगों का स्वागत किया। इस दौरान पीएम मोदी ने वाहन से हाथ हिलाकर जनता का अभिवादन किया। यह रोड शो लगभग 10 मिनट चला, इसके बाद पीएम मोदी सीधे दाहोद के लिए रवाना हो गए।

रेल इंजन लोकार्पित

इसके बाद पीएम मोदी दाहोद पहुंचे। उन्होंने यहां 9000 हॉर्सपावर इलेक्ट्रिक रेल इंजन का लोकार्पण किया। यह इंजन अत्याधुनिक तकनीक से लैस है और भारतीय रेलवे की क्षमताओं को नई गति देगा। यह भारत में अब तक का सबसे शक्तिशाली रेल इंजन है। इससे रेलवे को भारी मालवाहक ट्रेनों को अधिक गति और कम समय में चलाने में मदद मिलेगी। मेक इन इंडिया के तहत इसे स्थानीय स्तर पर निर्मित किया गया है। इस मौके पर उन्होंने रेलवे और आधारभूत

ढांचे से जुड़े कई प्रोजेक्ट्स का भी उद्घाटन किया। पीएम ने एक जनसभा को संबोधित भी किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

इस प्रकार पीएम मोदी का यह दौरा न केवल तकनीकी विकास की तस्वीर पेश करता है, बल्कि आगामी चुनावी रणनीतियों और देश की सुरक्षा में महिलाओं की भूमिका को सम्मान देने का भी संकेत देता है।

लाफ्टर शेफ्स सीजन-2 में फिर घायल हो गई रीम शेख, अब पैर में लगी चोट

नई दिल्ली।

टेलीविजन की सबसे पॉपुलर एक्ट्रेसेज में से एक हैं रीम शेख। इन दिनों वह भारती सिंह होस्टेड टीवी शो लाफ्टर शेफ्स सीजन 2 में नजर आ रही हैं। कुकिंग के साथ एंटरटेनमेंट का डोज देने वाले लाफ्टर शेफ्स 2 ने छोटे पर्दे पर धमाल मचा दिया है। 22 साल की रीम शेख भी इस शो का हिस्सा हैं। हाल ही में रीम शेख फिर लाफ्टर शेफ्स 2 के सेट पर घायल हो गईं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शो के सेट से अपनी एक फोटो शेयर की है जिसमें वह मिरर सेल्फी लेते हुए नजर आ रही हैं। इस तस्वीर में उन्होंने अपने पैर में लगी चोट को दिखाया है जिस पर पट्टी बंधी है। इसके साथ उन्होंने कहा कि लाफ्टर शेफ शूट करने के बाद बस नॉर्मल चीज। बता दें रीम शेख लाफ्टर शेफ्स सीजन-1 का भी हिस्सा थीं। पिछले सीजन में जब वह शो में खाना बना रही थीं, तभी गर्म चीनी के छींटे उनके चेहरे पर पड़ गए थे और उनका चेहरा बुरी तरह जल गया था। इसके बाद वह घबरा गई थीं। एक इंटरव्यू में उन्होंने इस घटना को लेकर कहा था कि जब ऐसा हुआ तो मैं बुरी तरह डर गई थी। वह शुगर था, लेकिन ऐसा लग रहा था कि कांच के टुकड़े हैं। किसी ने मेरे ऊपर पानी फेंका क्योंकि चीनी चिपकनी नहीं चाहिए

लेकिन आपको जले हुए जगह पर पानी नहीं फेंकना चाहिए। रीम ने आगे कहा कि वह यही सोच रही थीं कि आखिर उनके साथ ही ऐसा क्यों हुआ। वह अब ठीक हैं। उन्होंने कहा था कि उस वक्त उनके परिवार या जन्नत जुबैर ने उन्हें अकेला नहीं छोड़ा था, वे उनके साथ खड़े रहे। मालूम हो कि रीम शेख टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। वह तुझसे है राबता, तेरे इश्क में घायल, फना और अशोक सम्राट जैसे सीरियल्स में काम कर चुकी हैं।

संक्षिप्त समाचार

उप राष्ट्रपति धनखड़ की भाजपा ने की अगवानी

डुमना एयरपोर्ट से सपत्नीक हुए नरसिंहपुर रवाना

जबलपुर, 26 मई, 2025। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का आज सपत्नीक भारतीय वायुसेना के विमान से सुबह 10.59 बजे डुमना एयरपोर्ट आगमन हुआ। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक सुशील तिवारी इंदु, अशोक रोहाणी, संतोष बरकडे, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोटिया, जिला भाजपा अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण अध्यक्ष राज कुमार पटेल, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, पंकज दुबे, रजनीश यादव, आलोक चंसोरिया, पूर्व मंत्री अंचल सोनकर, शरद जैन सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। डीआईजी अतुल सिंह, सेना के वरिष्ठ अधिकारी, कलेक्टर दीपक सक्सेना व पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, रेलवे के जीएम शोभना बंदोपाध्याय ने उप राष्ट्रपति की अगवानी कर स्वागत किया। उप राष्ट्रपति धनखड़ डुमना एअरपोर्ट पर कुछ देर रुकने बाद सुबह 11.19 बजे वायुसेना के हेलीकॉप्टर से नरसिंहपुर के लिए रवाना हुए।

आंबेडकर यात्रा की नहीं दी थी इजाजत तो दलितों ने नहीं निकलने दी कलश यात्रा

एटा।

यूपी के एटा जिले के जैनपुर गांव में रविवार को दलित समाज के लोगों ने एक कलश यात्रा को रोक दिया। उसे आगे नहीं बढ़ने दिया। इसको लेकर विवाद हो गया। सूचना पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने यात्रा का विरोध कर रहे लोगों को समझा-बुझाकर शांत किया। करीब 2 घंटे तक यात्रा में शामिल महिलाएं और बच्चे सिर पर कलश लिए खड़े रहे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एटा के कोतवाली जलेसर के गांव जैनपुर में श्रीमद भागवत कथा चल रही है। इसके चलते रविवार शाम को कलश यात्रा निकाली जा रही थी। महिलाएं और बच्चियां अपने सिर पर कलश लेकर जा रही थी। यात्रा जाटव समाज के मोहल्ले से निकलने लगी तो समाज के लोगों ने विरोध किया। लोगों ने यात्रा को आगे नहीं जाने दिया। दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और झड़प हुई। खबर मिलते ही पुलिस पहुंच गई। उधर, कलश यात्रा निकाल रहे लोग भी जिद पर अड़ गए और उसी मार्ग से जाने की बात कहने लगे। विवाद बढ़ता देख एसएचओ दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों पक्ष की बात सुनी। दलित समाज के लोगों का कहना था कि 16 अप्रैल को डा. भीमराव आंबेडकर की शोभायात्रा निकालने की तैयारी थी, लेकिन उन्हें इजाजत नहीं दी गई थी। अब इनको कलश यात्रा की इजाजत कैसे मिल गई यह दोहरा रवैया है। सीओ ने बताया कि कई घंटों की मशक्कत के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाया। इसके बाद यात्रा वहां से रवाना हुई।

खूंखार नक्सली बसवराजू का शव परिवार को नहीं मिलेगा

गुपचुप होगा अंतिम संस्कार, विलेन को हीरो नहीं बनने देना चाहती पुलिस

नई दिल्ली। जिंदगीभर जंगलों में मारकाट मचाने वाले नक्सली नेता नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू का अंतिम संस्कार गुपचुप तरीके से किया जाएगा। 22 मई को छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में हुए एनकाउंटर में बसवराजू को मार गिराया गया था। उसके शव को पुलिस परिवार को नहीं देना चाहती है। आतंकवादियों की तरह उसका अंतिम संस्कार करने की तैयारी है। पुलिस नहीं चाहती है कि नक्सली विलेन को हीरो बनाने का कोई मौका उसके समर्थकों को दिया जाए।एक रिपोर्ट के मुताबिक बसवराजू की सौतेली मां और भाई आंध्र प्रदेश के श्रीकुलम जिले में रहते हैं। उसके भाइयों और कुछ रिश्तेदारों ने शव लेने छत्तीसगढ़ पुलिस से संपर्क किया। पुलिस दावों की जांच कर रही है और अंतिम फैसला लेने से पहले हर पहलू पर विचार किया जा रहा है। रिपोर्ट में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि पुलिस बसवराजू का अंतिम संस्कार उसी तरह करेगी जिस तरह 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के मारे जाने के बाद किया जाता है। एनकाउंटर के बाद शव को परिवार के हवाले नहीं किया जाता है और पुलिस अज्ञात स्थान पर शव का अंतिम संस्कार करती है। परिवार के कुछ सदस्यों को इसमें शामिल होने की इजाजत होती है। रिपोर्ट में एक सरकारी पदाधिकारी के हवाले से बताया गया है कि बसवराजू के शव पर दावा कर रहे उसके कुछ परिजनों को अंतिम संस्कार में शामिल किया जा सकता है और किसी सुरक्षित स्थान पर उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा। इससे कानून व्यवस्था की स्थिति प्रभावित नहीं होगी और उसे हीरो बनाने की कोशिश ना हो। मुठभेड़ में बसवराजू के समेत 27 आतंकवादी मारे गए थे। सरकार ने 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलमुक्त बनाने की घोषणा की है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717